दैनिक
न्याय साक्षी
अधिकार से न्याय तक

आवश्यक सूचना

आप सभी को सूचित करते हर्ष हो रहा है, कि न्याससाक्षी अधिकार से न्याय तक का सर्वे का कार्य तेजी से चल रहा है, जल्द ही सर्वे की टीम आपके घर विजिट करेगी, कृपया अपनी प्रति सुरक्षित कराएं।

RNI NO - CHHHIN/2018/76480 | Postal Registration No-055/Raigarh DN CG | रायगढ़, सोमवार 10 फरवरी 2025 | पृष्ठ-4, मूल्य 3 रुपए | वर्ष-07, अंक- 133

महत्वपूर्ण एवं खास

हरदोई में डंपर और पीएनजी गैस टैंकर की भिड़ंत, गैस लीक होने से हाईवे बंद

हरदोई (आरएनएस)। उत्तर प्रदेश के हरदोई में डंपर और पीएनजी गैस टैंकर की भीषण टक्कर हुई, जिसके बाद गैस लीक होने लगी। सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए हाईवे को कुछ देर के लिए बंद कर दिया गया। मामला हरदोई के बिलग्राम कोतवाली क्षेत्र के कटरा-बिल्हौर हाईवे का है। बताया जा रहा है कि रविवार देर रात सदरपुर के पास एक डंपर और पीएनजी गैस सिलेंडर से भरे टैंकर के बीच टक्कर हुई थी। हादसा इतना जबरदस्त था कि टैंकर बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और उसमें रखे सिलेंडर से गैस का रिसाव होने लगा। गैस रिसाव की सूचना मिलते ही बिलग्राम और माधोगंज पुलिस मौके पर पहुंची। हाईवे को तुरंत ही बंद कर दिया गया, ताकि किसी भी तरह की अनहोनी से बचा जा सके। फायर ब्रिगेड और गैस कंपनी को भी सूचित किया गया। बता दें कि इस हादसे में दोनों वाहनों के चालक और हेल्पर गंभीर रूप से घायल हो गए हैं, जिनमें से टैंकर के चालक की हालत नाजुक बनी हुई है। पुलिस और प्रशासन की टीमें गैस रिसाव को रोकने और हालात को नियंत्रित करने में जुटी हैं। गैस लीक के कारण कटरा-बिल्हौर हाईवे पर यातायात पूरी तरह रोक दिया गया था। दमकल विभाग और गैस कंपनी की टीमों ने मौके पर गैस रिसाव को काबू में कर लिया। कुछ घंटों के बाद हाईवे को यातायात के लिए खोल दिया गया। स्थानीय प्रशासन ने आसपास के लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी है। क्षेत्र में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम भी किए गए हैं।

मणिपुर के मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने दिया इस्तीफा, कांग्रेस की ओर से अविश्वास प्रस्ताव लाने की थी तैयारी

इंफाल (आरएनएस)। दिल्ली विधानसभा चुनाव परिणाम आने के ठीक एक दिन बाद मणिपुर में बड़ा सियासी उलटफेर हुआ है। मणिपुर के मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने रविवार को पद से इस्तीफा दे दिया। इससे पहले शनिवार को विशेष विमान से वह दिल्ली आए थे। यहां दिल्ली में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह से मुलाकात के बाद आज देर शाम राजभवन पहुंचे। जहां एन बीरेन सिंह ने राज्यपाल अजय कुमार भल्ला को मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा सौंपा। इस दौरान बीजेपी सांसद संबित पात्रा, राज्य के मंत्री और विधायक मौजूद थे।

भ्रष्टाचार मामलों की जांच के लिए एसआईटी का होगा गठन, दिल्ली में चुनाव जीतने के बाद बीजेपी का बड़ा ऐलान

नई दिल्ली (आरएनएस)। राजधानी दिल्ली में बीजेपी ने नई सरकार की पहली कैबिनेट बैठक में भ्रष्टाचार के मामलों की जांच के लिए एक विशेष जांच दल बनाने की घोषणा कर दी है। दिल्ली भाजपा प्रमुख वीरेंद्र सचदेवा ने कहा कि पार्टी भ्रष्टाचार के प्रति शून्य सहनशीलता रखती है और घोटालों में शामिल लोगों को जवाबदेह ठहराया जाएगा। सचदेवा ने कहा कि, 'जैसा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कई बार कहा और हमने भी किया। सीएजी रिपोर्ट पहली कैबिनेट बैठक के दौरान पेश की जाएगी। हम भ्रष्टाचार के सभी मामलों की जांच के लिए एक विशेष जांच दल (एसआईटी) भी बनाएंगे।' 70 सदस्यीय सदन में 48 सीटों के साथ दिल्ली चुनाव में भाजपा की जीत पर टिप्पणी करते हुए सचदेवा ने पार्टी को सफलता के लिए मार्गदर्शन करने के लिए प्रधानमंत्री मोदी और भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा को श्रेय दिया।

छत्तीसगढ़ में सुरक्षाबलों का बड़ा ऑपरेशन, एनकाउंटर में अब तक 31 नक्सली ढेर; 2 जवान भी शहीद

बीजापुर । आरएनएस

छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले के नेशनल पार्क इलाके में सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच भीषण मुठभेड़ हुई, जिसमें अब तक 31 नक्सली मारे गए हैं। दुखद रूप से, इस मुठभेड़ में दो जवान भी शहीद हो गए और दो अन्य घायल हुए हैं।

यह मुठभेड़ रविवार की सुबह इंद्रावती राष्ट्रीय उद्यान के जंगलों में शुरू हुई। इस ऑपरेशन में जिला रिजर्व गार्ड , स्पेशल टास्क फोर्स , और बस्तर फाइटर्स के जवान शामिल थे। सुरक्षा बलों ने नक्सलियों की मौजूदगी की खुफिया जानकारी मिलने पर यह कार्रवाई शुरू की, खासकर पंचायत चुनावों के मद्देनजर, क्योंकि नक्सलियों द्वारा चुनाव में बाधा डालने की आशंका थी।

प्रारंभिक रिपोर्टों में 12 नक्सलियों के मारे जाने की सूचना थी, लेकिन ऑपरेशन जारी रहने के साथ ही यह संख्या बढ़कर 31 हो गई है। अधिकारियों ने मुठभेड़ स्थल से भारी मात्रा में हथियार और विस्फोटक सामग्री बरामद होने की भी जानकारी दी है। मारे गए नक्सलियों की पहचान करने के प्रयास जारी हैं।

मुठभेड़ में दो जवान शहीद हो गए, जबकि दो घायल जवानों की हालत स्थिर बताई जा रही है, जिन्हें बेहतर इलाज के लिए एमआई-17 हेलीकॉप्टर से जगदलपुर ले जाया गया है। मुठभेड़ स्थल पर अतिरिक्त बल भेजा गया है ताकि नक्सलियों को भागने से रोका जा सके, और इलाके में तलाशी अभियान जारी है।

एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि मुठभेड़ तब शुरू हुई जब सुरक्षा गश्ती दल इंद्रावती राष्ट्रीय उद्यान के वन क्षेत्र में नक्सल विरोधी अभियान पर था। सुबह से ही रुक-रुक कर गोलीबारी की खबरें हैं।

यह कार्रवाई 1 फरवरी को बीजापुर में हुई एक और सफल मुठभेड़ के बाद हुई है, जिसमें सुरक्षा बलों ने आठ नक्सलियों को मार गिराया था और इंसास राइफल और बीजीएल लॉन्चर सहित हथियार बरामद किए थे। इससे पहले, 31 जनवरी को, डीआरजी, एसटीएफ, कोबरा 202 और सीआरपीएफ 222वीं बटालियन की एक संयुक्त टीम ने पश्चिम बस्तर डिवीजन के नक्सलियों की मौजूदगी की खुफिया सूचना पर गंगालूर क्षेत्र में एक नक्सल विरोधी अभियान शुरू किया था।

एक अन्य ऑपरेशन में, डीआरजी बीजापुर, जिला पुलिस बल उसूर, कोबरा बटालियन और सीआरपीएफ की संयुक्त टीम ने नक्सल विरोधी अभियान के दौरान 14 नक्सलियों को गिरफ्तार किया था, जिनमें 36 लाख रुपये के इनाम वाले आठ नक्सली भी शामिल थे। शांतिपूर्ण चुनाव सुनिश्चित करने और नक्सली गतिविधियों का मुकाबला करने के लिए सुरक्षा बल क्षेत्र में अपनी उपस्थिति बनाए हुए हैं।

नक्सल मुक्त भारत बनाने की दिशा में मिली बड़ी सफलता- अमित शाह

छत्तीसगढ़ के बीजापुर के नेशनल पार्क इलाके में रविवार को सुरक्षाबलों ने मुठभेड़ में 31 नक्सलियों को ढेर कर दिया। सभी 31 वर्दीधारी माओवादी थे। इनके पास भारी मात्रा में हथियार और विस्फोटक सामग्री भी बरामद हुई है। हालांकि इस मुठभेड़ में दो जवान शहीद और 2 घायल हुए हैं। बीजापुर में 31 नक्सलियों को ढेर करने पर गृह मंत्री अमित शाह ने सुरक्षाबलों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि नक्सल मुक्त भारत बनाने की दिशा में सुरक्षाबलों को बड़ी सफलता मिली है। 31 मार्च 2026 से पहले हम देश से नक्सलवाद को जड़ से समाप्त कर देंगे। इसके साथ ही उन्होंने नक्सल विरोधी अभियान के दौरान 2 जवानों की शहादत पर शोक जताया। गृह मंत्री अमित शाह ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट में लिखा,नक्सल मुक्त भारत बनाने की दिशा में सुरक्षाबलों ने छत्तीसगढ़ के बीजापुर में बड़ी सफलता हासिल की है। इस ऑपरेशन में 31 नक्सलियों को ढेर करने के साथ ही भारी मात्रा में हथियार और विस्फोटक सामग्री भी बरामद की गई है। उन्होंने आगे लिखा,मानवता विरोधी नक्सलवाद को समाप्त करने में आज हमने अपने दो बहादुर जवानों को खोया है। यह देश इन वीरों का सदा ऋणी रहेगा। शहीद जवानों के परिजनों के प्रति भावपूर्ण संवेदनाएं व्यक्त करता हूं। साथ ही पुन: यह संकल्प दोहराता हूं कि 31 मार्च 2026 से पहले हम देश से नक्सलवाद को जड़ से समाप्त कर देंगे, ताकि देश के किसी भी नागरिक को इसके कारण अपनी जान न गंवानी पड़े।

मुंबई : छत्रपति शिवाजी महाराज इंटरनेशनल एयरपोर्ट के रनवे पर मिला संदिग्ध ड्रोन, पुलिस ने शुरू की जांच

मुंबई । आरएनएस

मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर रनवे के पास एक संदिग्ध ड्रोन मिला है। बताया जा रहा है कि टर्मिनल 2 के एप्रन क्षेत्र (विमानों की पार्किंग वाले) में एक ड्रोन उड़ता हुआ देखा गया था। इसके बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू की।

ये मामला 7 फरवरी का बताया जा रहा है। पुलिस कंट्रोल रूम को सूचना मिली थी कि सुबह 7:45 से 8:15 बजे के बीच टर्मिनल 2 के एप्रन क्षेत्र में एक ड्रोन उड़ता हुआ देखा गया है। इसके बाद पुलिस ने तुरंत ही एयरपोर्ट की सुरक्षा टीम से संपर्क किया। इस दौरान जब सुरक्षाकर्मी एप्रन क्षेत्र में पहुंचे तो उन्हें जमीन पर एक ड्रोन पड़ा हुआ मिला। इसके बाद ड्रोन को कब्जे में लिया गया।

साथ ही मुंबई की सहार पुलिस ने हवाई अड्डे की दीवार से सटी बस्तियों में जांच की, लेकिन उन्हें कोई सुराग नहीं मिला है। फिलहाल पुलिस ने इस मामले में अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली है और ड्रोन उड़ाने वाले शख्स के बारे में पता लगाया जा रहा है।

बताया जा रहा है कि 7 फरवरी को एयरपोर्ट पर वीआईपी के आगमन और प्रस्थान का कार्यक्रम था और पुलिस भी गश्त पर थी। तभी यह घटना घटित हुई है।

बता दें कि 1 फरवरी से 2 मार्च के बीच मुंबई में ड्रोन, रिमोट कंट्रोल्ड माइक्रोलाइट एयरक्राफ्ट, हैंड ग्लाइडर, पैराग्लाइडर, पैरामोटर, हॉट एयर बैलून जैसी चीजों को उड़ाने पर प्रतिबंध लगाया गया है। इस आदेश को नियमित रूप से बढ़ाया जाता रहता है।

आतिशी ने छोड़ा सीएम पद, उपराज्यपाल को सौंपा इस्तीफा

नई दिल्ली । आरएनएस

दिल्ली विधानसभा चुनाव 2025 में आम आदमी पार्टी को मिली करारी हार के बाद मुख्यमंत्री आतिशी मार्लेना ने रविवार को उपराज्यपाल वीके को अपना इस्तीफा सौंप दिया है। आतिशी दिल्ली की तीसरी महिला मुख्यमंत्री बनीं थीं। उनसे पहले भाजपा की दिवंगत नेता सुषमा स्वराज और 15 साल तक दिल्ली पर शासन करने वाली कांग्रेस की दिवंगत नेता शीला दीक्षित भी दिल्ली की मुख्यमंत्री रह चुकी हैं।

गौर हो कि शनिवार को आए दिल्ली विधानसभा चुनाव के नतीजों में 70 में से 48 सीटों पर भाजपा ने जीत हासिल की थी। वहीं, आप को 22 सीटें ही मिली हैं, जबकि कांग्रेस लगातार तीसरी बार अपना खाता नहीं खोल सकी। दिल्ली में भाजपा के शानदार प्रदर्शन के बीच अरविंद केजरीवाल और मनीष सिसोदिया सहित आम आदमी पार्टी के कई बड़े नेताओं को हार का सामना करना पड़ा, लेकिन मुख्यमंत्री आतिशी के अलावा तीन मंत्रियों गोपाल राय, मुकेश अहलावत और इमरान हुसैन ने जीत के साथ पार्टी की कुछ हद तक साख कायम रखी।

पीएम मोदी के अमेरिकी दौरे से वापसी के बाद दिल्ली में शपथ लेंगे नए सीएम

नई दिल्ली (आरएनएस)। दिल्ली विधानसभा चुनाव के नतीजों के बाद बीजेपी करीब 27 साल बाद राजधानी की सत्ता पर कब्जा करने जा रही है। जिसके बाद अब सबकी नजरें नई सरकार के गठन पर टिकी हुई है। इस बीच नए मुख्यमंत्री के शपथ लेने की तारीख भी सामने आ गई है। जानकारी के मुताबिक दिल्ली के मुख्यमंत्री का शपथ ग्रहण समारोह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अमेरिका दौरे के बाद हो सकता है। पीएम मोदी के अमेरिका के दौरे से लौटने के बाद यानी 13 फरवरी के बाद दिल्ली के मुख्यमंत्री का शपथ ग्रहण समारोह हो सकता है। इसके लिए कई नामों पर चर्चा जोरों पर हैं। भाजपा के नेताओं के अनुसार पीएम मोदी के अमेरिका से लौटने के बाद ही भाजपा सरकार बनाने का दावा पेश कर सकती है। इस बीच दिल्ली में दिल्ली के मुख्यंत्री को लेकर भी मंथन शरू हो गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के साथ शपथ ग्रहण को लेकर चर्चा हुई और दिल्ली में बनने वाली सरकार की रूपरेखा को लेकर बातचीत हुई है। इससे पहले दिल्ली बीजेपी अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने कहा, मुख्यमंत्री चुनने का निर्णय पार्टी का केंद्रीय नेतृत्व करेगा। सभी नवनिर्वाचित विधायक पार्टी द्वारा उन्हें सौंपे गए कर्तव्यों का निर्वहन करने में सक्षम हैं।

तमिलनाडु में दस छात्राओं का यौन शोषण करने के आरोप में सरकारी स्कूल का शिक्षक गिरफ्तार

चेन्नई । आरएनएस

तमिलनाडु पुलिस ने सलेम के येरकॉड स्थित एक सरकारी स्कूल के शिक्षक को दस छात्राओं का यौन शोषण करने के आरोप में गिरफ्तार किया है।

आरोपी इलियाकन्नी (37) को शुक्रवार रात येरकॉड पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया और उसके खिलाफ पोक्सो एक्ट के तहत कार्रवाई की।

आरोप है कि उसने कक्षा 10वीं और 12वीं की दस लड़कियों का शोषण किया।

यह घटना तब प्रकाश में आई जब एक पीड़िता ने हिम्मत जुटाकर स्कूल की प्रधानाध्यापिका को इसकी जानकारी दी और शिक्षक के खिलाफ कार्रवाई की मांग की।

प्रधानाध्यापिका ने तुरंत मामले की सूचना शिक्षा विभाग और जिला बाल संरक्षण इकाई के अधिकारियों को दी। इसके बाद एक टीम ने स्कूल का दौरा किया और छात्रों से पूछताछ की।

प्रारंभिक जांच में पुष्टि हुई है कि शिक्षक ने दस छात्रों के साथ दुर्व्यवहार किया था। जिला बाल संरक्षण इकाई द्वारा दर्ज की गई शिकायत के आधार पर, कोंडलमपट्टी ऑल विमेन पुलिस स्टेशन ने यौन अपराधों से बच्चों के संरक्षण अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया और इलयकान्नू को गिरफ्तार कर लिया।

इस मामले में आगे की जांच चल रही है।

हाल ही में कृष्णागिरी जिले में इसी तरह की एक घटना में, कृष्णागिरी जिले के बरगुर में पंचायत यूनियन मिडिल स्कूल में 13 वर्षीय लडक़ी का यौन उत्पीडऩ करने के आरोप में तीन सरकारी स्कूल शिक्षकों को गिरफ्तार किया गया था।

3 फरवरी को यह मामला तब प्रकाश में आया था जब स्कूल के शिक्षक लडक़ी के घर उसकी लंबी अनुपस्थिति के बारे में पूछताछ करने गए।

उनके दौरे के दौरान, लडक़ी ने यौन उत्पीडऩ का खुलासा किया, जो कथित तौर पर स्कूल परिसर में एक शौचालय के अंदर हुआ था। उसके खुलासे के बाद, स्कूल की प्रधानाध्यापिका और ब्लॉक शिक्षा अधिकारी ने शिकायत दर्ज कराई, जिसके बाद 4 फरवरी को तीनों आरोपी शिक्षकों को गिरफ्तार कर लिया गया।

कृष्णगिरी जिला कलेक्टर दिनेश कुमार ने पुष्टि की कि लडक़ी को मनोचिकित्सकों द्वारा मानसिक स्वास्थ्य सहायता प्रदान की जा रही है।

पुलिस अधीक्षक पी. थंगादुरई ने कहा कि पुलिस और बाल कल्याण समिति ने लडक़ी को सहायता के लिए कृष्णागिरी सरकारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल के वन-स्टॉप सेंटर ले जाने से पहले उसके घर का दौरा किया।

आरोपी शिक्षकों ने आरोपों से इनकार किया है, लेकिन जांच लंबित रहने तक उन्हें निलंबित कर दिया गया है। स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा की गई प्रारंभिक आंतरिक जांच में पाया गया कि किसी अन्य छात्र या शिक्षक के खिलाफ कोई शिकायत नहीं है।

इस घटना से लोगों में आक्रोश फैल गया है, और एआईएडीएमके महासचिव एडप्पादी के. पलानीस्वामी ने इस पर दुख व्यक्त किया है।

एक सोशल मीडिया पोस्ट में, उन्होंने सरकारी स्कूलों में छात्रों की सुरक्षा सुनिश्चित करने में विफल रहने के लिए डीएमके सरकार की आलोचना की और मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन से इस घटना की पूरी जिम्मेदारी लेने का आह्वान किया।

रायबरेली में पायलट की सूझबूझ से बड़ा रेल हादसा टला, ट्रैक पर पत्थर रख रची गई थी साजिश

रायबरेली । आरएनएस

उत्तर प्रदेश के रायबरेली में रविवार को एक बड़ा रेल हादसा टल गया। चंपा देवी पुल के नजदीक रेलवे ट्रैक पर कुछ शरारती तत्वों द्वारा बड़े पत्थर रख दिए गए थे। सुपरफास्ट एक्सप्रेस के लोको पायलट की सूझबूझ से दुर्घटना टल गई। इस मामले में पुलिस में शिकायत दर्ज की गई है। आरपीएफ मामले की छानबीन कर रहा है। पुलिस ने बताया कि नगर कोतवाली में एक तहरीर प्राप्त हुई है। इस मामले को आरपीएफ देख रहा है। वही इसकी छानबीन कर रहा है।

रेलवे अधिकारियों ने बताया कि यह घटना पुल पर हुई है। रनिंग रेल के बीच कुछ पत्थर रखे दिखाई दिए। सूचना मिलते ही रेलवे अधिकारियों ने पुलिस को जानकारी दी और स्थानीय थाने में मामला दर्ज कराया गया। फिलहाल पुलिस जांच में जुटी है कि इन पत्थरों को वहां रखने के पीछे किसकी साजिश है।

बछरावां क्षेत्र के वरिष्ठ खंड अभियंता ने शहर कोतवाली में तहरीर दी। अपर पुलिस अधीक्षक संजीव कुमार सिन्हा ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है और आगे की कार्रवाई की जा रही है।

उल्लेखनीय है कि बीते कुछ माह से ट्रेन हादसा कराने के उद्देश्य से लगातार साजिश की जा रही है। कहीं पत्थरबाजी, तो कहीं ट्रेन के रास्ते पर लोहे के रॉड भी रखे जा चुके हैं। किसी भी मामले में साजिशकर्ता का नाम सामने नहीं आया है।

पुलिस और बदमाशों के बीच मुठभेड़, 2 आरोपी गिरफ्तार

नोएडा । आरएनएस

नोएडा के थाना सेक्टर 20 पुलिस द्वारा एक बड़ी मुठभेड़ में दो बदमाशों को गिरफ्तार किया गया, जो मोबाइल और चैन छिनैती की घटनाओं में शामिल थे। यह मुठभेड़ 7-8 फरवरी की रात को डीएलएफ तिराहा शौचालय के पास हुई, जब पुलिस टीम चेकिंग कर रही थी।

पुलिस ने बताया कि रात के समय बिना नंबर प्लेट की मोटरसाइकिल पर सवार दो व्यक्ति पुलिस के नजदीक पहुंचे। पुलिस ने उन्हें रुकने का इशारा किया, लेकिन वे रुकने की बजाय भागने लगे। पुलिस ने उनका पीछा किया, और सेक्टर 18 मल्टी लेवल पार्किंग के पास पहुंचते ही बदमाशों ने पुलिस टीम पर फायरिंग की। इस पर पुलिस ने जवाबी कार्रवाई की, जिससे एक बदमाश घायल हो गया।

पुलिस के मुताबिक घायल बदमाश की पहचान 26 वर्षीय रोशन के रूप में हुई, जो जेजे कालोनी, सेक्टर 9, थाना फेज-1 नोएडा का निवासी है। घायल बदमाश को अस्पताल भेजा गया, जबकि उसका साथी अंधेरे का फायदा उठाकर फरार हो गया। बाद में पुलिस ने कांबिंग के दौरान उसे गिरफ्तार कर लिया।

फरार बदमाश की पहचान 22 वर्षीय अनवर के रूप में हुई, जो वर्तमान में जेजे कालोनी, सेक्टर 8, नोएडा में रह रहा था। पुलिस ने घटनास्थल से एक स्प्लेंडर मोटरसाइकिल, दो तमंचे .315 बोर, दो जिंदा और दो खोखा कारतूस .315 बोर तथा पांच मोबाइल फोन बरामद किए।

इन मोबाइल फोनों का संबंध हाल ही में हुई छिनैती से है। पुलिस ने इन अभियुक्तों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करते हुए उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। पुलिस ने जानकारी देते हुए बताया है कि यह दोनों बदमाश कई दिनों से नोएडा और उसके आसपास के कई इलाकों में मोबाइल और चेन स्नेचिंग का काम कर रहे थे और पुलिस इनकी तलाश कर रही थी।

देश का अन्नदाता किसान ही है विकास की सबसे बड़ी पूंजी : उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़

चित्तौड़गढ़ । आरएनएस

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ रविवार को चित्तौड़गढ़ पहुंचे। यहां उन्होंने मेवाड़ के हरिद्वार कहे जाने वाले चित्तौड़गढ़ स्थित मातृकुंडिया में भगवान शिव के मंदिर में दर्शन-पूजन किया। इसके बाद उन्होंने अखिल मेवाड़ क्षेत्र जाट महासभा को संबोधित किया। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने अखिल मेवाड़ क्षेत्र जाट महासभा को संबोधित करते हुए कहा, मैं यहां 25 साल बाद आया हूं। 25 साल पहले इसी जगह पर सामाजिक न्याय की लड़ाई की शुरुआत की थी। जाट और कुछ जातियों को आरक्षण मिला। आज उसके नतीजे देश और राज्य की प्रशासनिक सेवाओं में मिल रहे हैं। उसी सामाजिक न्याय पर, उसी आरक्षण पर जिनको लाभ मिला है, आज वो सरकार में प्रमुख पदों पर हैं। उनसे मेरा आग्रह रहेगा, पीछे मुड़कर जरूर देखें और कभी नहीं भूलें, इस समाज के सहयोग की वजह से, इस समाज के प्रयास की वजह से हमें सामाजिक न्याय मिला है।

उन्होंने किसानों को देश के विकास की आर्थिक रीढ़ बताया। उन्होंने कहा कि किसान देश का अन्नदाता है, भाग्य विधाता है। किसान के हाथ में विकास की कुंजी है और यही उसकी सबसे बड़ी पूंजी है। किसान के सबल हाथों में राजनीतिक ताकत है, आर्थिक योग्यता है। किसान को किसी की मदद का मोहताज नहीं होना चाहिए।

जगदीप धनखड़ ने कहा, सरकार ने आपके लिए खजाना खोल रखा है। किसान को मदद करने के लिए 730 से अधिक कृषक विज्ञान केंद्र हैं। उनको अकेला मत छोड़िए, वहां पर जाइए और उनसे कहिए आप हमारी क्या सेवा करेंगे? नई तकनीकों का ज्ञान लीजिए, सरकारी नीतियों की जानकारी लीजिए। सहकारिता क्या कर सकती है, आपको जानकारी नहीं है।

उपराष्ट्रपति ने अखिल मेवाड़ क्षेत्र जाट महासभा को संबोधित करते हुए कहा, मेरा आग्रह किसानों से है, किसान के बेटे-बेटी से है। दुनिया का सबसे बड़ा व्यापार, बेशकीमती व्यापार, कृषि उत्पादन का है। किसान अपने उत्पाद के व्यापार से क्यों नहीं जुड़ा हुआ है? किसान उसमें क्यों नहीं भागीदारी ले रहा है? अधिक से अधिक किसानों को सहकारिता का फायदा लेते हुए, कृषि उत्पादन के व्यवसाय में लगनशील रूप से कार्यरत करना चाहिए।

उन्होंने कहा कि किसान अपने उत्पाद की मूल्य वृद्धि क्यों नहीं कर रहा? अनेक व्यापार किसान के उत्पाद पर चालू हैं। आटा मिल, तेल मिल, अनगिनत हैं। मुझे बड़ी खुशी होती है जब डेयरी बढ़ती है। हमें दूध तक सीमित नहीं रहना है, छाछ तक सीमित नहीं रहना है, दही तक सीमित नहीं रहना है। जितने उत्पाद दूध के बन सकते हैं, पनीर हो, आइसक्रीम हो, रसगुल्ला हो, किसान का योगदान होना चाहिए।

धनखड़ ने कहा कि मैं आपको आश्वासन देना चाहता हूं, कुछ भी हो जाए, कितनी बाधाएं आएं, कोई भी अवरोधक बने, आज के दिन विकसित भारत की महायात्रा में किसान की भूमिका को कोई कुंठित नहीं कर सकता। आज की शासन व्यवस्था किसान के प्रति नतमस्तक है।